

NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH

SOLVED ASSIGNMENT OF UNIT - IInd.

CLASS:- 4th

SESSION : 2021

SUBJECT : HINDI

Pg no 1

पाठ - 4.

साहसी झलकारी

शब्द ज्ञान

तुच्छ - छोटा , वंदित - जरूरत , प्रयास - कोशिश ।
 क्रोध - गुस्सा , उपस्थित - मौजूद , सम्पन्न - पूरा काम ।
 कायर - डरपोक , आरंभ - शुरुआत , प्रभुत्व - राज ;
 ऐलान - घोषणा , आक्रमण - हमला , आसक्ति - मोह ,
 विद्रोह - युद्ध , दुर्यवहार - बुरा व्यवहार , अत्याधिक-
 ज्यादा , संगठन - इकट्ठा करके , अवांछनीय - आवश्यकता
 न हो , जौहर - स्वयं को ही मार देना ।

मुख्य

1. विद्रोह कहाँ और क्यों फैला था ?
- उ० : विद्रोह झाँसी में फैला था क्योंकि देशवसी अपनी प्रति अंग्रेजों के दुर्यवहार से अत्याधिक परेशान थे ।
2. झाँसी में किसका राज्य था ?
- उ० : झाँसी में गंगाधर राव का राज्य था ।
3. विद्रोह कहाँ से आरंभ हुआ था ?
- उ० : विद्रोह आगरा और अवध से आरंभ हुआ था ।

के, गंगाधर राव की मृत्यु कैसे हुई और उनके बाद झाँसी की बागडोर किसने संभाली ?

उ० : गंगाधर राव की मृत्यु स्वतंत्रता के विरुद्ध लड़ते-लड़ते हुई और उनके बाद झाँसी की बागडोर उनकी पत्नी रानी लक्ष्मीबाई ने संभाली ।

ख, झाँसी की रानी ने जौहर का निश्चय क्यों किया था ?

उ० : लक्ष्मीबाई अंग्रेजों की भारी सेना का मुकाबला करने में असमर्थ महसूस करने लगी तो उन्होंने जौहर करने का निश्चय किया ।

ग, महामंत्री ने लक्ष्मीबाई से क्या कहा ?

उ० : महामंत्री ने लक्ष्मीबाई से यह कहा, "यदि मरना ही है तो वीरों की मौत मरना चाहिए ।"

घ, लक्ष्मीबाई से मिलने कौन आया था और उसने अंग्रेजों के पास जाकर क्या किया ?

उ० : लक्ष्मीबाई से मिलने झलकारी नाम की गोली स्त्री आई थी ॥ जब जनरल रोज ने झलकारी को गोली मारने का आदेश दिया तो उसने जोर से कहा, "मार दो हत्यारी, मानवता के शत्रुओ । मेरा कार्य संपन्न हुआ । महारानी लक्ष्मीबाई तुम्हारे चंगुल से निकल कर दूर जा चुकी है ।"

पाठ-5 : चील वाले बाबा Pg no 3

शब्द ज्ञान

सहम - डरना , तन्मय - डूबना , अपराध - गलतीयाँ ,
चकित - हैरान , क्षमा - माफी , उपहार - भेंट , सन्न -
चकरा जाना , निरर्थक - बिना अर्थ के , लौप-ठुम/गायक
होना ; तपस्या - ईश्वर का ध्यान करना , देहावसान-मृत्यु
ध्यानमग्न - सदैव ईश्वर के ध्यान में लीन रहना ,
प्रभावित - कार्य साधन शीति से ।

मुख्य

1. बाबा को क्या कहकर पुकारते थे ?
30: बाबा को चील बाबा कहकर पुकारते थे ।
2. बाबा का आश्रम कहाँ था ?
30: बाबा का आश्रम शहर से दूर रेगिस्तानी इलाके में था ।

लिखत

- क, जमींदार बाबा के लिए क्या भेंट लाया था ?
30: जमींदार बाबा के लिए सिक्कों से भरी थैली भेंट में लाया था ।
- ख, बाबा ने चोरों को क्यों रोका था ?
30: बाबा ने चोरों को इसलिए रोका था क्योंकि वह उनकी सिक्कों से भरी थैली ले जाना चाहते थे ।
- ग, चोरों ने बाबा के साथ क्या किया ?
30: चोर उर और सहम गए । डूबने में आई लक्ष्मी

जो कैसे छोड़ते । चक्कराहट में चोरों ने बाबा पर लाठीयाँ बरसाना शुरू कर दी । और कुछ देर बाद बाबा राम-राम कहते हुए धरती पर गिर पड़े । कुछ देर बाद उनकी मृत्यु हो गई ।

घ, भीड़ में बैठे चोरों के साथ क्या हुआ ?

30: भीड़ में दोनों हत्यारे चोर शामिल हो गए ।

सब लोग कीर्तन में मग्न थे । अचानक आकाश में बहुत सी चीलें आकर मंडराने लगीं । देखते ही देखते दो चीलें उतरी और दोनों हत्यारों के सिर पर पंजे मारने लगीं । पंजे मार-मारकर चीलो ने हत्यारों चोर को लहलुहान कर दिया । वे जमीन पर गिरकर तड़पने लगे ।

ड, चोरों ने अपने अपराध को क्यों स्वीकार किया ?

30: चोरों ने अपने अपराध को इसलिए स्वीकार किया क्योंकि लोभ चोरों को बचाने के लिए बाड़े पर चीलो ने किसी को पास नहीं आने दिया ।

हत्यारों की चीखें गूँज रही थीं, बाबा हमारे अपराध क्षमा करना । हमें अपने पापों की सजा मिल रही है ।

1. नीचे दिए गए शब्दों में 'और' जोड़कर नए शब्द बनाएँ :

क, जप-और तप
ख, रूपए और पैसे
ग, ध्यान-और मग्न

घ, देखना और सुनना
ड, भजन और कीर्तन

Pg no 5

2. वाक्य बनाए :

क, क्षमा : मुझे क्षमा कर दो ।

ख, उपहार : जमींदार बाबा के लिए भेंट में रूपए लाया ।

ग, लोप : चीले आकाश में लोप हो गई ।

घ, चकित : लोग चकित होकर देखते ही रह गए ।

उ, तन्मय : भीड़ कीर्तिन में तन्मय थी ।

च, सन्न : जिसने सुना वह सुनकर सन्न रह गया ।

3. मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग करें :

क, लोप होना - गायब होना : चीले आकाश में गायब हो गई ।

ख, चकित होना : हैरान होना : सब लोग हैरान होकर देख रहे थे ।

पाठ - 6 कुरे फंसशब्द - शानएकाएक - अचानक , संघर्ष - लगातार कोशिश ,
शुक्रिया - धन्यवादमौखिक

1. जॉनी का पैर कहाँ फंस गया था ?

30 : जॉनी का पैर रेल की पटरी के पास बनी खाइ (फेंस) में फंस गया था ।

2. जॉनी ने भगवान से क्या प्रार्थना की ?

30 : जॉनी ने भगवान से यह प्रार्थना की कि मैं सारे कुरे बाम छोड़ दूंगा । मेरा पैर इस खाइ से बाहर निकालने में मेरी मदद करो ।

लिखित :

क, जॉनी ने भगवान से दूसरी बार प्रार्थना में क्या कहा ?

30 : जॉनी ने भगवान से दूसरी बार प्रार्थना में यह कहा,
“हे भगवान ! मेरा पैर बाहर निकाल दो । मैं अपनी गंदी भाषा (गालियाँ देना) बोलना और कुरे बाम छोड़ दूंगा ।” फिर भी क्रोध नहीं हुआ । पैर बंदी अटका हुआ था बलिक और भी अधिक फंस गया था ।

ख, जॉनी ने भगवान से तीसरी बार प्रार्थना में क्या कहा ?

30. जॉनी ने भगवान से तीसरी बार प्रार्थना में यह कहा, "हे भगवान! मेरा पैर कंधन से छुड़ा दो। मैं सारे कुरे काम छोड़ दूंगा, गालियों और कुरी भाषा का इस्तेमाल बंद कर दूंगा और मैंने जो कल क्रिश्च के पैसे चुराए थे उसे वापिस कर दूंगा और उससे माफ़ी मांग लूंगा।"

ग, अंत में पैर छूटने पर उसने क्या कहा?

उ०: अंत में पैर छूटने पर उसने, आकाश की ओर देखते हुए और हाथ उठाकर ईश्वर का शुक्रिया अदा किया और मन ही मन कहा ईश्वर की कृपा व अपनी कोशिश के बल से आज जान बच गई।

1. और शब्द लिखें :

सोच और समझकर, मौज और मस्ती

2. पर्यायवाची शब्द :

क, धन्यवाद - शुक्रिया, मेहखानी
ख, प्रार्थना - विनती, विनय
ग, प्राण - जिंदगी, जीवन
ड, कोशिश - प्रयत्न, प्रयास
च, आकाश - नभ, गगन

(हिन्दी व्याकरण)

Pg no 8

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

सत्य और अहिंसा के पोषक गांधी जी का जन्म अक्टूबर 1869 ई० को गुजरात में पोरबंदर नामक नगर में हुआ था। उनके पिता श्री कर्मचंद गाँधी वैष्णव भक्त और राजकोट रियासत के दीवान थे। बचपन की अल्पावस्था में कस्तूरबा गाँधी के साथ विवाह हो गया था। मैट्रिक की परीक्षा ^{अर्जित} करने के बाद इन्हें बैरिस्ट्री पढ़ने के लिए इंग्लैंड भेज दिया गया। गाँधीजी बैरिस्टर बनकर स्वदेश लौटे और सन् 1893 में एक मुकदमे की पैरवी करने के लिए दक्षिण अफ्रीका गए। स्वदेश लौटने पर इन्होंने अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने का निश्चय कर लिया और देशवासियों को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया। इनके सत्य और अहिंसा के शास्त्र के आगे अंग्रेजों को झुकना पड़ा और 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हो गया। 30 जनवरी 1948 को प्रार्थना सभा में जाते हुए ~~इन्हें~~ नाथूराम गोडसे की गोली का शिकार हो गए। राष्ट्रपिता गाँधी जी की समाधि राजघाट पर बनी हुई है।

स्वास्थ्य अधिकारी को क्षेत्र की स्वच्छता हेतु आवेदन
पत्र लिखें।
प्रतिष्ठा में

स्वास्थ्य अधिकारी महोदय,
करन नगर, भीनमर

दिनांक - 2021

मान्यवर,

इस पत्र के माध्यम से मैं आप का ध्यान राजबाग
की सड़क और उसके आसपास पड़े कूड़े-कचरे के ढेर
की ओर ध्यान दिलाना चाहती हूँ।

इस क्षेत्र में कई सप्ताह से स्वच्छता की ओर बिल्कुल
ध्यान नहीं दिया गया है। फलतः कूड़े-कचरे के ढेर
पर मक्खी-मच्छर जमा हो गए हैं। दुर्गंध के कारण
पड़ोसानी बकती जा रही है।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप इस क्षेत्र में नियुक्त
सफाई कर्मचारियों और स्वास्थ्य निरीक्षकों को आदेश
देकर क्षेत्र को साफ कराएँ।

सधन्यवाद,

भवदीय - अ, ख, ग।

राज बाग ; भीनमर

दिनांक - 2021

विलोम शब्द

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आकाश	पाताल	प्राचीन	अर्वाचीन
उन्नीत	अवर्नात	मित्र	शत्रु
उचित	अनुचित	गुरु	शिष्य
कठोर	कोमल	पुरातन	नूतन
दृष्ट	अनिष्ट	शेवक	स्वामी
गृह	उचला	सधवा	विधवा
दयालु	निर्दयी	सदाचार	दुराचार
आकर्षण	विकर्षण		

पर्यायवाची शब्द

उपवन	वाग, उपवन, उद्यान, वार्टिका ।
कमल	पंकज, राजीव, जलज, सरोज ।
किरण	अंशु, मयूरव, रश्मि, मरीचि ।
गृह	घर, निकेतन, भवन, सदन ।
घोड़ा	अश्व, तुरंग, घोटक, वाजि ।
देह	शरीर, तन, काया, वदन ।
नयन	नेत्र, चक्षु, आँख, लोचन ।
नदी	सरिता, तटिनी, सरि, तंरमिणी ।

लिंग वकलो

Pg no 11

चेल	चेली
बाहूमण	बाहूमणी
हिरन	हिरनी
गुड्डा	गुड्डी
चूहा	चूहिया

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

जिसके समान कोई दूसरा न हो	अद्वितीय
जिसमें धैर्य न हो	अधीर
जिसके माता पिता न हो	अनाथ
जो कभी बूढ़ा न हो	अजर
जो बीत चुका हो	अतीत
जिसका अंत न हो	अनंत
जहाँ पहुँचा न जा सके	अगम्य
जिसका कोई शत्रु न पैदा हुआ हो	अज्ञातशत्रु

प्र०1 संज्ञा किसे कहते हैं ?

उ० जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान के नाम या भाव का बोध कराते हैं, वे 'संज्ञा' कहलाते हैं। जैसे: भारत, गंगा, बुढ़ापा, लोता आदि।

संज्ञा के तीन भेद होते हैं :

व्यक्तिवाचक संज्ञा ।

जातिवाचक संज्ञा ।

भाववाचक संज्ञा ।

प्र० लिंग किसे कहते हैं ?

उ० शब्द के जिस रूप से किसी पदार्थ के पुरुष अथवा स्त्री जाति के होने का पता चलै, वह 'लिंग' कहलाता है ।

लिंग के दो भेद होते हैं ।

पुल्लिंग, स्त्रीलिंग

मुहावरे

अंगार उगलना

अक्ल के पीछे लाठी लिए फिरना

अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना

आँख जलना

आटा गीला होना

ईंट का जवाब पत्थर से देना

ओखली में सिर देना

कान पर जूँ तक न रेंगना

ध्याव पर नमक छिड़कना

चलता पूजा होना

खरी खोटी सुनाना ।

वेवकूपी करना ।

जानबूझ कर जोखिम में पड़ना ।

ईर्ष्या करना ।

मुसीबत में आँखें जलना ।

कड़ा उत्तर देना ।

मुसीबत मोल लेना ।

ध्यान न देना ।

दुःख पर दुःख देना ।

चालाक होना ।

Pg no 13

छठी का दूध याद आना	परेशान होना ।
छाती पर मुँग दलना	बहुत कष्ट देना ।
खरी खोटी सुनाना	भला बुरा कहना ।
चादर से बाहर पैर फैलाना	ताकत से ज्यादा खर्च करना ।
जंगल में मंगल होना	सुनसान जगह में चहल पहल होना ।